आज का पुरुषार्थ 19 Sept 2022

Source: BK Suraj bhai   **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"आज से हम स्वयं को सर्वगुण सम्पन्न .. सर्वशक्तियों से सजे हुए स्वयं को अनुभव करेंगे .. ज्ञान की रोशनियों से स्वयं को प्रकाशित करते हुए आगे बढ़ेंगे "*

संगमयुग का वास्तविक वर्सा **सर्वशक्तियाँ** और **सर्वगुण** है। यूँ तो बाबा हमें भविष्य का, स्वर्ग का **राज्य भाग्य** देने आये है। पर उसको प्राप्त करने के लिए **शक्ति सम्पन्न, गुण सम्पन्न, चरित्रवान, दिव्य बुद्धि से सम्पन्न** बनना परम आवश्यक है।

इसलिए सभी ध्यान दे, यही वह समय है जब हम अपनी खोई हुई समस्त **शक्तियाँ** प्राप्त कर सकते है। एकदिन था जब हम परमधाम से इस धरा पर आये थे। सम्पूर्ण थे। **शक्तियों** में सम्पूर्ण, **गुणों** में भी फूल। **मर्यादाओं** में भी फूल और पवित्रता में भी फूल।

धीरे-धीरे हमने अपनी शक्तियाँ गँवा दी। अब पुनः समय है शक्ति सम्पन्न बनने का। पहला ध्यान हम दे, कि हमारी शक्तियाँ नष्ट न हो रही हो ..

व्यर्थ संकल्पों में, व्यर्थ देखने में, व्यर्थ बोलने में, व्यर्थ कर्म करने में, दुसरों के अवगुण देखने में, परचिन्तन-परदर्शन करने में, अवगुणी दृष्टि रखने में, ईर्ष्या-द्वेष-घृणा-नफरत-काम-क्रोध आदि विकारों में।

इससे हमारी आन्तरिक शक्तियाँ नष्ट होती है। हमें पहले तो जो नष्ट होने का लीकेज है उसे बंध करना है। और फिर स्वयं को शक्तिशाली बनाने के लिए मन में शक्तिशाली विचारों की रचना करनी है।

सीख ले अब कम-से-कम दस सुन्दर और शक्तिशाली विचार। और यह अपने पास जरूर रखें। जैसे ..

" मैं कल्प कल्प का विजयी रतन हूँ .. माया मुझे हरा नहीं सकती .. इस माया को मैंने कल्प कल्प जीता है "

दुसरा →

" मार्ग में चाहे कितनी भी परिस्थितियाँ आ जाये .. मैं अपनी स्थिति हूंगा "

तीसरा →

" मैं तो मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. इस संसार के सबसे अधिक शक्तिशाली आत्मा .. मेरे लिए कुछ भी इम्पॉसिबल नहीं "

चौथा →

" मेरे साथ तो स्वयं भगवान है .. उसकी शक्तियाँ मेरे साथ काम कर रही है .. मुझे किसी का कोई भय नहीं "

इस तरह के सुन्दर **संकल्प** अपने पास नोट करके रखे, तो शक्तियाँ बढ़ती जायेगी। क्योंकि हर संकल्प से एनर्जी प्रोडिउस होती है।

हमारा हर powerful संकल्प हमें inner power प्रदान करेगा →

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. मैं विजयी रतन हूँ .. मैं निर्भय हूँ .. मैं भगवान की संतान हूँ "

यह सब स्वमान के संकल्प ही हमें शक्ति प्रदान करेगी। साथ साथ हम **योगबल** को भी हम बढ़ाते चले। योगबल से ही हमें सबसे ज्यादा शक्तियाँ मिलती है।

योग को हम जितना बढ़ायेंगे हम उतना ही शक्तिशाली बनते जायेंगे। ऐसे ही ज्ञान चिन्तन भी हमें बल प्रदान करता है। तो अपनी शक्तियों में दिनों दिन वृद्धि करते चले।

गुण सम्पन्न भी हमें बनना है। कुछ **गुणों** पर हम विशेष ध्यान दे। संतुष्टता, **सरलता, निर्भयता, अन्तर्मुखता, निरहंकारिता, समर्पण भाव, शुभ भावना, दृढ़ता** .. इन गुणों पर विशेष ध्यान देंगे।

यही गुण हमें गुण सम्पन्न बनाने में सम्पूर्ण भूमिका निभायेंगे। जो व्यक्ति गुणवान होता है वह सबको प्रिय लगता है।

तो आइये आज हम पाँचो स्वरुपों का अभ्यास करे। हम अपने देव स्वरुप को देखें .. वह भी गुणों से **सम्पन्न** और **शक्तियों** से सम्पन्न है।

हम अपने आत्मिक स्वरुप पर नजर डालें .. वह भी सभी गुणों से सम्पन्न, सम्पूर्ण पवित्र और **शक्ति स्वरुप** है।

हम अपने पूज्य स्वरुप पर नजर दोहराये .. हमारे नजर में सभी के लिए शुभ भावनायें है, हम **दाता** है, हम रहमदिल है।

हम अपने ब्राह्मण **स्वरुप** पर ध्यान दे .. जो भगवान के साथ है।

और फ़रिश्ते स्वरुप को देखें .. हम कितने पवित्र है

इन **पाँचो स्वरुपों** का चिन्तन करेंगे आज। हर घन्टे में एकबार। तो यह पाँचो स्वरुप हमें शक्तिशाली भी बनायेंगे और गुण सम्पन्न भी।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org